any particular patient. A "custom" ocular prosthesis, on the other hand, is made by your Ocular Prosthetist to fit you and you alone.

What are ocular prosthetics made of?

Artificial eyes are made of PMMA (polymethylmethacrylate), a durable acrylic that is also used in the fabrication of dental appliances and contact lenses. The acrylic prostheses are hand painted with fine artist oil paints to simulate every detail of the companion eye's natural appearance.

Can artificial eye have good movement?

In most case the prosthetic eye will move because the Ophthalmologist constructs the eye socket in a method which transfers movement to the artificial eye. This is done by placing an ocular implant into the eye socket at the time of surgery.

How long will it take before I receive my artificial eye?

It will take 2 to 4 visits depending upon individual cases. After your surgery you will be fitted with a temporary prosthesis or conformer which you will wear for 3 or 4 weeks until your socket heals. Your permanent prosthesis will be ready for delivery approximately 4 to 6 weeks after surgery.

The replacement of an old prosthesis will require two visits and will take about three days to complete.

How will it feel to wear my artificial eye or scleral shell prosthesis?

Inserting, removing and wearing an artificial eye or scleral shell does not hurt! In fact, you will find that you are more comfortable with your prosthesis in place than when it is out.

How do I clean my prosthesis and how often do I take it out?

Daily cleaning of the artificial eye consists of a simple rinsing with saline solution while the eye is in place. Only once every few months will it be necessary to remove the prosthesis for more thorough cleaning with soap and water. Artificial eyes are made out of material that will crack if it comes in contact with alcohol or any chemical product containing alcohol.

Scleral shells are cleaned daily with mild soap and water after removal and prior to insertion. Scleral shells should never be worn overnight.

How do I remove the artificial eye?

Most patients simply pull the eyelid upwards and look down, then gently push the eye out of the socket. There are suction cups available that can be used as well. While using a suction cup make sure to tilt the top of the prosthesis and slide it downwards.

Should I wear protective eyewear?

It is strongly recommended that one wear a pair of spectacles with polycarbonate (shatter proof) lenses. Even if no visual correction is required in the other eye, these safety spectacles will provide protection to the remaining eye in the event of a facial injury.

Should I lubricate my prosthesis?

Not all wearers will need to lubricate their artificial eye, especially children. However, if one is not able to fully close their eyelids over the prosthesis, the use of artificial tears or other lubricants may be indicated. The need for lubricants varies with each individual.

What do I do if I have irritation, swelling, or pain?

If you are experiencing pain, irritation, discharge, or discomfort while wearing your artificial eye please contact your ophthalmologist immediately.

How often do you have to visit after artificial eye fitting?

It is generally recommended that children under 3 years of age be seen every 3 months; patients under 9 years twice yearly, and all other patients at least once a year. Artificial eyes should be replaced every 3 -7 years for hygienic reasons.

How long will my ocular prosthesis last?

All types of ocular prosthetics made of acrylic can be expected to last, on average, about 5 to 7 years before a replacement is necessary.

Before

After

Before

After

Which eye has the custom prosthesis ?

MGM Eye Institute

5th Mile, Vidhan Sabha Road, Raipur (C.G.) 493111

Ph: 0771 2284771, 2284772, 2284773, Web Site: www.mgmeye.org

Custom Ocular Prosthesis

A new vision to life

कस्टम ऑक्युलर प्रोस्थेसिस

कुछ परिस्थितियों में आँख विकृत हो जाती है । इस आँख में रोशनी नहीं रह जाती है और फिर से देखने की उम्मीद बिलकुल नहीं रह जाती है । कभी-कभी आँख में दर्द भी बना रहता है और आँख छोटी हो जाती है । व्यक्ति इसे न स्वीकार करते हुए भी दु:ख, निराशा और आत्मग्लानी का अनुभव करता है । लेकिन आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने इस समस्या को कम करने का रास्ता खोज लिया है जिसे कृत्रिम आँख या प्रोस्थेटिक आँख कहते हैं । यह कृत्रिम आँख या प्रोस्थेटिक आँख हूबहू स्वाभाविक आँख की तरह लगता है लेकिन उसमें नजर नहीं आता । फिर भी इस प्रक्रिया से व्यक्ति के अन्दर आत्मविश्वास आता है और उसकी हीनभावना खत्म होती है ।

शल्य चिकित्साद्वारा विकृत आँख को निकालकर उसकी जगह प्रोस्थेटिक आँख लगाया जाता है । नेत्र -कोठर में एक इम्प्लान्ट रखा जाता है जिसके ऊपर प्रोस्थेटिक आँख बिठाई जाती है । प्रोस्थेटिक आँख मेडिकल ग्रेड प्लास्टिक से बनाई जाती है । इसके अनेक प्रकार होते हैं जैसे :- स्टॉक आई या कस्टम आई । कुछ ऐसे प्रोस्थेटिक आँख होते हैं जो विकृत आँख के ऊपर लगाया जाता है इसे स्क्लेरल शेल कहते हैं । लेकिन यहाँ यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि कोई भी प्रोस्थेटिक आँख व्यक्ति को नजर प्रदान नहीं करते । प्रोस्थेटिक आँख आपको वास्तविक स्वरूप भी देता है ।

ऑक्युलर प्रोस्थेटिक आँख किससे बनते हैं ?

प्रोस्थेटिक आँख मेडिकल ग्रेड प्लास्टिक - पीएमएमए (पॉलिमेथाइल मेथाक्रीलेट) से बनाई जाती है । इसे ऑक्युलरिस्ट अपने हाथ से पेन्ट प्रत्येक बारी की का ध्यान रखते हुए आँख की बनावट के अनुसार हूबहू बनाता है ।

क्या प्रोस्थेटिक आँख साधारण आँख की तरह हिलता है ?

प्रोस्थेटिक आँख तभी हिलता है जब नेत्र कोठर में नेत्र विशेषज्ञों द्वारा इम्प्लान्ट किया जाता है ।

प्रोस्थेटिक आँख पाने में कितना समय लगता है ?

शल्य चिकित्सा द्वारा विकृत आँख को निकालने और इम्प्लान्ट लगाने के बाद अस्थाई प्रोस्थेटिक आँख या प्लास्टिक कन्फार्मर 3 से 4 सप्ताह तक लगाया जाता है । नेत्र कोठर के अन्दर का घाव सूखने पर अस्थाई प्रोस्थेटिक आँख लगाई जाती है । इस पूरी प्रक्रिया में ऑपरेशन के बाद 4 से 6 सप्ताह लग जाता है । व्यक्ति को 2 से 4 बार आना पड़ सकता है । पुराने प्रोस्थेटिक आँख को बदलवाने के लिए 2(दो) बारा आना होगा और उसके लिए 3(तीन) दिन लग सकता है ।

प्रोस्थेटिक आँख या स्क्लेरल शेल प्रोस्थेसिस को पहनने से कैसा महसूस होगा ?

कृत्रिम आँख या स्क्लेरल शेल प्रोस्थेसिस को नेत्र कोटर में डालने, निकालने और पहनने में दर्द नहीं होता । वास्तव में, प्रोस्थेटिक आँख, पहनने पर ज्यादा स्वाभाविक महसूस होता है

प्रोस्थेटिक आँख की सफाई कैसे करें ?

प्रोस्थेटिक आँख को पहने हुए ही साफ पानी या सेलाइन से धोया जा सकता है । प्रोस्थेटिक आँख को निकालकर साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ करना चाहिए । कृत्रिम आँख (प्रोस्थेटिक आँख) कुछ ऐसी सामग्री से बनी होती है जो अल्कोहल या अल्कोहलयुक्त किसी रासायनिक उत्पादन के सम्पर्क में आने से नष्ट हो सकते हैं । स्क्लेरल शेल्स की सफाई प्रतिदिन उसे निकालने के बाद और लगाने के पहले लिक्विड सोप और पानी से धोकर करना चाहिए ।

प्रोस्थेटिक आँख किस तरह निकालें ?

साधारणत: ऊपर की पलक को ऊपर उठाकर, नीचे देखते हुए, हल्का सा दबाव देकर प्रोस्थेटिक आँख को आँख के कोठर से बाहर निकाला जाता है । प्रोस्थेटिक आँख निकालने के लिए उपलब्ध सक्शन-कप का उपयोग भी किया जा सकता है । यदि सक्शन-कप का उपयोग कर रहे हो तो प्रोस्थेटिक आँख के ऊपरी सिरे को हल्का सा तिरछा कर, नीचे की ओर सरकाकर निकाल सकते हैं।

क्या सुरक्षात्मक चश्मा पहन सकते हैं ?

ऐसे मरीजों को न टूटने वाले पॉलिकार्बोनेट लेंस युक्त चश्मा पहनने की सलाह दी जाती है । दूसरे आँख में दृष्टिदोष न होने पर भी यह सुरक्षात्मक चश्मा चोट लगने की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करता है ।

क्या प्रोस्थेटिक आँख में कृत्रिम आँसू (लुब्रिकेंट) का उपयोग कर सकते हैं ?

सभी प्रोस्थेटिक आँख धारकों को कृत्रिम आँसू की जरूरत नहीं होदती । जीनकी पलकें पूरी तरह से बंद नहीं होती, उन्हें कृत्रिम आँसू की जरूरत होती है ।

इसके पहनने से चुभन, दर्द या सूजन हो तो क्या करें ?

आपको चुभन, दर्द, सूजन या आँख से चीपड़ निकलने जैसी परेशानी हो तो उसका कारण कृत्रिम आँख (प्रोस्थेटिक आँख) ही है । इस स्थिति में आप प्रोस्थेटिक आँख को निकालकर नेत्र चिकित्सक से सम्पर्क करें ।

प्रोस्थेटिक आँख लगाने के बाद कितनी बार जाँच कराने अस्पताल जाना होगा ?

3(तीन) वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रत्येक 3(तीन) माह में दिखाना चाहिए; 9(नौ) वर्ष से कम उर्म के बच्चों को साल में 2(दो) बार और अन्य मरीजों को एक साल में कम से कम एक बार अस्पताल जाकर जाँच कराना चाहिए । स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रत्येक 3 से 7 वर्षों में आँखें (कृत्रिम आँख) बदलवा लेना चाहिए ।

ऑक्युलर प्रोस्थेसिस कब बदलना चाहिए ?

सभी तरह के आक्युलर प्रोस्थेटिक (कृत्रिम आँख) एक्रेलिक के बने होते हैं जिसकी आसत उम्र 5 से 7 वर्षों की होती है, इसके बाद इसका बदलना जरूरी है ।

आक्युलर प्रोस्थेसिस बनाने की प्रक्रिया

Custom Ocular Prosthesis: A New Vision to Life

The loss of an eye cause extreme apprehension and disbelief to the person involved. However, with the prosthetic eye techniques and material available today, these problems are readily solved .

An ocular prosthesis or artificial eye replaces a natural eye following its removal through surgery. Conditions that may give rise to such a situation are disfigured eyes following injuries and eye tumors. These eyes have no potential of vision. The prosthetic fits over an orbital implant and under the eyelids. A variant of the ocular prosthesis is a very thin hard shell known as a scleral shell which can be worn over a damaged eye. **An ocular prosthesis does not provide vision.** It is only for cosmesis.

The artificial eye gives back your natural appearance and confidence

What are the types of artificial eyes?

There are basically two types of artificial eyes: Stock Eye and Custom eye.

What's the difference between "stock" and "custom" eyes?

"Stock" or "ready-made" ocular prostheses are mass-produced. Since a "stock eye" is not made for any particular person, it doesn't fit